उद्योग संवर्धन व आंतरिक व्यापार विभाग और रिजर्व बैंक के अनुसार, पिछले करीब पांच वर्षों में उत्तर प्रदेश ने तकरीबन 11 हजार करोड़ रुपये का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश आकर्षित किया है, जो एक बड़े बदलाव का सूचक है।

ब्रांड यूपी की छवि

प्रतिकूल व्यावसायिक परिस्थितियों से ग्रस्त कभी 'बीमारू' माने जाने वाले राज्य से देश में एक अग्रणी निवेश गंतव्य बनने तक का उत्तर प्रदेश का सफर राज्य के लोगों और पूरे देश के लिए वाकई एक अच्छी खबर है। वर्ष 2000 से 2017 के बीच 17 वर्ष में उत्तर प्रदेश में 3,018 करोड़ रुपये का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) आया था। लेकिन अक्तूबर, 2019 से जून, 2023 तक राज्य में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश करीब चार गुना बढ़कर तकरीबन 11 हजार करोड़ रुपये हो गया, जिसका श्रेय स्वाभाविक ही वर्तमान योगी सरकार को जाता है। कभी गुंडाराज के लिए कुख्यात रहे उत्तर प्रदेश की यह उपलब्धि बताती है कि उसकी छवि बदली है। इससे यह भी पता चलता है कि यहां के राजनीतिक नेतृत्व और स्थायित्व पर निवेशकों का पूरा भरोसा है। हालांकि विभिन्न राज्यों से आए आंकड़ों में इस तथ्य की अनदेखी नहीं की जानी चाहिए कि महाराष्ट्र, तमिलनाडु, गुजरात, हरियाणा और दिल्ली ही नहीं, झारखंड, राजस्थान, तेलंगाना और पश्चिम बंगाल जैसे राज्य भी प्रत्यक्ष विदेशी निवेश आकर्षित करने के मामले में उत्तर प्रदेश से आगे हैं। एफडीआई आकर्षित करने के मामले में उत्तर प्रदेश बेशक 11वें स्थान पर है, लेकिन अपने विशाल आकार और भारी बजट को देखते हुए इसे और आगे जाने की जरूरत है। लेकिन यह निर्विवाद कहा जा सकता है कि पिछले पांच-छह वर्षों में उत्तर प्रदेश ने अपनी एक नई पहचान बनाई है और बिजली से लेकर कनेक्टिविटी तक हर क्षेत्र में सुधार किया है। विदेशी निवेश के मोर्चे पर उत्तर प्रदेश की सफलता की दो ठोस वजहें हैं। पहली, राज्य सरकार की उद्यमियों को सहूलियतें देने वाली नीतियां और दूसरी, निवेश प्रस्तावों को अमली जामा पहनाने में दिखाई जा रही तेजी। इस सूबे ने न सिर्फ अपनी पुरानी छवि बदली है, बल्कि सेवा क्षेत्र, विनिर्माण, ऑटोमोबाइल, फार्मा आदि क्षेत्रों में जिस तरह अपनी क्षमता साबित की है, वह भी उल्लेखनीय है। हालांकि मिल रहे निवेश

प्रस्तावों को समय पर पूरा करने की चुनौती भी राज्य के सामने है। इसके अलावा, एफडीआई नीति में कुछ संशोधन भी वांछित हैं। उद्योगों को रियायती मूल्य पर ज मीन उपलब्ध कराना भी जरूरी है, ताकि निवेशक के उत्साह में कमी न आए। उम्मीद करनी चाहिए कि उत्तर प्रदेश की यह विकास यात्रा लगातार जारी रहेगी, और आगामी कुछ वर्षों में भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने में इसकी भूमिका महत्वपूर्ण होगी।